प्रश्न– फ्रांस की क्रांति फ्रांस से आरंभ हुई किंतु देखते–देखते इसने यूरोपीय क्रांति का रूप ले लिया। इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तरः आर्थिक–सामाजिक परिवर्तन की मांग के कारण फ्रांस की क्रांति घटित हुई। आगे इस क्रांति ने यूरोप में युद्ध का रूप ले लिया तथा इस युद्ध ने यूरोप में भी क्रांति ला दी।

18वीं सदी के अंत में फ्रांस में क्रांति हुई क्योंकि फ्रांस एक आंतरिक अंतर्विरोध से ग्रस्त हो चुका था। अर्थात् फ्रांस का आर्थिक ढांचा उसके राजनीतिक तथा सामाजिक ढांचे से आगे निकल चुका था। वस्तुतः फ्रांस में आर्थिक परिवर्तनों के परिणामस्वरूप एक सशक्त मध्य वर्ग का उद्भव हो चुका था तथा यह वर्ग आर्थिक रूप से काफी सम्पन्न था। किन्तु उसे कुलीनों के समान राजनीतिक एवं सामाजिक अधिकार प्राप्त नहीं थे।

दूसरी तरफ कुलीनों का आर्थिक अवसान हो चुका था परंतु फिर भी वे राजनीतिक एवं सामाजिक विशेषाधिकारों का उपभोग कर रहे थे। अब यह विरोधाभास अधिक समय तक नहीं चल सकता था। अतः एक व्यापक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से 18वीं सदी के अंत में एक विस्फोट हुआ। इसे फ्रांस की क्रांति के रूप में पहचाना गया।

इस क्रांति के पश्चात् फ्रांस विचारधारा के स्तर पर यूरोप से काफी आगे निकल गया। अतः अब क्रांति की घोषणाएँ यूरोप में पुरातन व्यवस्था को डराने लगी। इसलिए फ्रांस एवं यूरोप के बीच एक युद्ध बहुत ही स्वाभाविक हो गया क्योंकि पुराना यूरोप नये यूरोप के निर्माण को रोकना चाहता था। फिर इस युद्ध के माध्यम से क्रांतिकारी सेना यूरोप में पहुँच गई तथा तेजी से क्रांति के विचारों को फैलाने लगी। आगे नेपोलियन के अंतर्गत यूरोप में तीव्र साम्राज्यवादी प्रसार हुआ। फिर जहाँ फ्रांस की सेना गई वहां पुरातन व्यवस्था ध्वस्त होती गई। अंत में यूरोप में इतना परिवर्तन हो चुका था कि वियना कांग्रेस के तमाम प्रयास के बावजूद यूरोप में क्रांति पूर्व व्यवस्था बहाल नहीं की जा सकी। इस प्रकार फ्रांस की क्रांति अखिल यूरोपीय क्रांति बन गई।